"वाणिज्य के छात्रों में वाणिज्य विषय के प्रति अरुचि के कारणो का अध्ययन"

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

बी. एड. उपाधि हेतु प्रस्तुत

(क्रियात्मक अनुसंधान)

2010-2011

निर्देशक:-

डा० मोहम्मद मुश्तकीम

शिक्षक- शिक्षण प्रशिक्षण विभाग

अनुसंधानकर्ता:-

रवि कुमार गुप्ता

बी० एड० (छात्राध्यापक)

हलीम मुस्लिम स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कानपुर

घोषणा-पत्र

मैं **रवि कुमार गुप्ता** यह घोषणा करता हूँ कि प्रस्तुत क्रियात्मक अनुसंधान मेरी मौलिक कृति हैं तथा इसके पूर्व यह क्रियात्मक अनुसंधान किसी दूसरे छात्र या छात्रा के द्वारा प्रस्तुत नही किया गया हैं।

अपने विद्वान निर्देशक **"डा० मोहम्मद मुश्तकीम"** के सफल निर्देशन में शोधकर्ता के द्वारा इस क्रियात्मक अनुसंधान की रचना में जिन विविध स्त्रोतो का प्रयोग किया गया हैं उनका संकेत संदर्भ ग्रन्थ सूची में कर दिया गया हैं।

शोधकर्ता

(रवि कुमार गुप्ता)

छात्राध्यापक(बी० एड०)

Snow Kids

आभार स्वीकृति

प्रस्तुत क्रियात्मक अनुसंधान **"वणिज्य के छात्रों में वणिज्य विषय के प्रति अरूचि के कारणो का अध्ययन"** हैं।

मैं अपने निर्देशक **"डा० मोहम्मद मुश्तकीम"** का अत्यधिक आभारी हूँ जिनके प्रखर निर्देशन और प्रोत्साहन से मैंने अपना शोध कार्य पूरा किया। आपके मार्गदर्शन और अमूल्य सुझावो के परिणाम स्वरूप ही यह क्रियात्मक अनुसंधान साकार रूप मे प्रस्तुत हो सका हैं।

मैं आदरणीय **श्री अंसार अहमद**, विभागाध्यक्ष बी. एड., हलीम मुस्लिम पी०जी० कालेज, का भी आभारी हूँ जिन्होंने इस क्रियात्मक अनुसंधान को पूरा करने में अपना अमूल्य सहयोग प्रदान किया।

तत्पश्चात मैं हलीम मुस्लिम पी०जी० कालेज, चमनगंज, कानपुर के अध्यापकों तथा छात्रों को भी विशेष रूप से धन्यवाद देता हूँ, क्योंकि इनके सहयोग के बिना यह क्रियात्मक अनुसंधान पूरा न हो पाता।

शोधकर्ता

(रवि कुमार गुप्ता)

Snow Kids

"क्रियात्मक अनुसंधान पर आधारित प्रायोगिक परियोजना का प्रतिवेदन"

परियोजना का शीर्षक	:	"वणिज्य के छात्रों में वणिज्य विषय के प्रति अरूचि के कारणो का अध्ययन"
अनुसंधानकर्ता का नाम	:	रवि कुमार गुप्ता
अनुसंधान निर्देशक का नाम	:	डा० मोहम्मद मुश्तकीम
विद्यालय का नाम	:	डा० भीम राव अम्बेडकर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गॉधी नगर, कानपुर
कक्षा	:	9
अनुसंधान की अवधि	:	25 जनवरी 2011 से 24 फरवरी 2011 तक

Snow Kids

"वणिज्य के छात्रों में वणिज्य विषय के प्रति अरूचि के कारणो का अध्ययन"

समस्या की पृष्ठभूमि

छात्राध्यापक ने कक्षा अध्यापन कार्य करते समय देखा कि कुछ छात्र वणिज्य विषय के घण्टे में अनुपस्थित रहते हैं तथा शेष छात्र भी वणिज्य विषय में रूचि नही लेते। जिसके कारण शिक्षाण प्रकिया प्रभावशाली रूप से न चल पाने तथा अनुशासन भंग हो जाने की स्थिति उत्पन्न हो जाती हैं और शिक्षाण कार्य प्रभावित होता हैं। जैसे बच्चे शोर करने लगते हैं, शिक्षाण कार्य में रूचि न लेते हुये दूसरे विषयों की किताबे पढ़ने लगते हैं या पीछे बैठने वाले छात्र एक दूसरे से अन्य विषयों पर बातचीत करने लगते हैं या अपने चेहरे पर ऐसे भाव उत्पन्न करने लगते हैं जैसे यह शिक्षाण कार्य उन पर बोझ हो और कभी-कभी शिक्षाण कार्य वाले घण्टे में छात्र कक्षा से पलायन भी कर जाते हैं। यह सभी कारण छात्रों में वणिज्य विषय के प्रति उत्पन्न अरूचि को दशाति हैं और इस अरूचि का प्रभाव छात्रों पर तथा छात्र के स्वयं के परीक्षाफल पर और कुल मिलाकर विद्यालय के परीक्षाफल पर भी पड़ता हैं। जिससे विद्यालय का नाम भी खराब होता हैं।

अतः उपरोक्त समस्या का अनुभव करते हुये छात्राध्यापक ने वणिज्य विषय के प्रति छात्रों में रूचि उत्पन्न करने के लिये इस समस्या के कारणो का अध्ययन किया तथा एक परियोजना के आधार पर इसे हल करने का प्रयास किया।

Snow Kids

परियोजना के उद्देश्य

छात्राध्यापक ने इस समस्या के अध्ययन हेतु एक परियोजना बनाई जिसके उद्देश्य निम्न् हैं-

- ✓ विद्यार्थियों को वणिज्य विषय या वणिज्य शिक्षाण के महत्व व समय की उपयोगिता का ज्ञान कराना।
- ✓ विद्यार्थियों के मानसिक योग्यता के स्तर को उठाने के लिये पाठ्य सहगामी क्रियाओ का आयोजन कराना।
- ✓ विद्यार्थियों को आज के व्यापारिक दौर में वणिज्य विषय की उपयोगिता का वर्णन करते हुये वर्तमान परिपेक्ष्य में वणिज्य शिक्षाण के महत्व को बताना।
- ✓ वर्तमान समय में वणिज्य शिक्षा की आवश्यकता को बताते हुये वणिज्य विषय अध्ययन के लिये प्रेरित करना।
- ✓ शिक्षाण प्रक्रिया के दौरान अनुशसनहीनता के कारणो तथा वणिज्य विषय के प्रति अरूचि के कारणो का पता लगाकर उसको दूर करना।
- ✓ विद्यालय के वातावरण को सुधारने के लिये कार्यक्रम बनाना।
- ✓ विद्यार्थियों की रूचियों, आवश्यकताओं एवं योग्यताओं को समझकर उनके अनुरूप शिक्षाण प्रक्रिया अपनाने में शिक्षक की सहायता करना।
- ✓ छात्रो को अर्थशास्त्र से सम्बन्धित ज्ञान प्रदान करना, ताकि वे देश की अर्थव्यवस्था के बारें में उचित ज्ञान प्राप्त कर सकें।
- ✓ विद्यार्थियों के समुह में वणिज्य विषय से सम्बन्धित प्रोजेक्ट कार्य देकर उनमें सहयोग की भावना को जाग्रत करना।

Snow Kids

परियोजना का महत्व

यह परियोजना वणिज्य विषय में अरूचि रखने छात्रों तथा उन्हें पढ़ाने वाले शिक्षाको के लियें अत्यन्त महत्वपूर्ण हैं। छात्र इसके द्वारा प्रेरणा प्राप्त करके वणिज्य शिक्षाण में रूचि ले सकते हैं, जबकि शिक्षाक इसके द्वारा प्राप्त कारणो को दूर करके अपने शिक्षाण कार्य को और भी अधिक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली बना सकते हैं। इसके अतिरिक्त यह परियोजना अनेक लोगो के लिये महत्वपूर्ण हैं क्योकिं-

- इस परियोजना के माध्यम से छात्रों में वणिज्य विषय के प्रति रूचि उत्पन्न की जा सकती हैं।
- इस परियोजना के द्वारा छात्रों में विद्यालय में उपस्थित रहने की प्रवृत्ति को बढ़ाया जा सकता हैं।
- इस परियोजना के माध्यम से वणिज्य विषय के प्रति अरूचि से उत्पन्न हानियों के विषय में जानकारी देकर, उनमें वणिज्य विषय के प्रति रूचि उत्पन्न की जा सकती हैं।
- इस परियोजना के माध्यम से छात्रों के मानसिक व शारीरिक विकास के स्तर को उठाने का प्रयत्न किया जाता हैं।
- इस परियोजना की सहायता से छात्रों के परिक्षाफल में वणिज्य विषय में अंक बढ़ाये जा सकते हैं, जिससे विद्यालय का परिक्षाफल भी अच्छा होगा और विद्यालय के सम्मान में भी वृद्धि होगी।
- इस परियोजना के माध्यम से छात्रों को वर्तमान समय में वणिज्य शिक्षा की आवश्यकता का वर्णन करते हुये वाणिज्य विषय के अध्ययन के लिये प्रेरित किया जा सकता हैं।

Snow Kids

"छात्रों में वणिज्य विषय के प्रति अरूचि" के कारण

छात्रों में वणिज्य विषय के प्रति अरूचि के कई कारण होते हैं। इन कारणों में व्यक्तिगत या परिवारिक कारण, आर्थिक कारण, सामाजिक कारण एवं मनौवैज्ञानिक कारण प्रमुख हैं। इन कारणों को हम निम्न लिखित बिन्दुओं के द्वारा समझ सकते हैं-

व्यक्तिगत या परिवारिक कारण:-

- कुछ बच्चों के सरंक्षाक बहुत सख्त होते हैं, जो हर समय छोटी-छोटी बात पर डॉंटते व मारते रहते हैं, जिसके कारण बच्चें बाहर रहना अधिक पसन्द करते हैं या विद्यालय जाते हैं तो हर समय तनावग्रस्त रहते हैं। बच्चों में अध्ययन के प्रति अरूचि उत्पन्न होने लगती हैं।
- कभी-कभी सरंक्षाक भी अपने बच्चों की शिक्षा के प्रति लापरवाही बरततें हैं।
- कभी-कभी परिवार के बड़ा होने के कारण बच्चें पढ़ाई पर ध्यान नही देते।
- घर में पढ़ाई के अनुकूल वातावरण न होने के कारण बच्चें पढ़ाई में पिछड़ जाते हैं।

आर्थिक कारण:-

- आर्थिक कमी की वजह से छात्रों को सम्पूर्ण पाठ्य सामग्री नही प्राप्त हो पाती, जिसकी वजह से वह चाह कर भी नही पढ़ पाता।
- कभी-कभी छात्र किसी अन्य विद्यालय में पढ़ना चाहता हैं, परन्तु कुछ कारणो से उसे दूसरे विद्यालय में पढ़ना पढ़ता हैं, जैसे:- पिता जी का किसी अन्य शहर में स्थानान्तरण हो जाने के कारण उसकी पढ़ाई से रूचि कम होने लगती हैं।

संस्थागत कारण:-

- विद्यालय का वातावरण अध्ययन व अध्यापन के अनुकूल न होने से बच्चें पढ़ाई पर ध्यान नही देते।

Snow Kids

- शिक्षाक के द्वारा उचित शिक्षाण विधियों व प्रविधियो का प्रयोग न किये जाने के कारण बच्चों की पढ़ाई से रूचि कम होने लगती हैं।
- शिक्षाक के अत्यधिक कठोर होने के कारण छात्र अध्ययन से भागने लगते हैं।
- कक्षा में पढ़ने वाले सहपाठियों के द्वारा सहयोग न दिये जाने के कारण छात्र पढ़ाई से अलग हटने लगते हैं।
- शिक्षाकों के द्वारा आकिंक प्रश्नो को उचित प्रकार से स्पष्ट न किये जाने के कारण छात्र उन्हें हल नही कर पाते तथा वाणिज्य विषय से उनकी रूचि कम होने लगती हैं।
- शिक्षाक के द्वारा उचित उदाहरणों व मॉडल आदि का प्रयोग न किये जाने के कारण बच्चों की पढ़ाई से रूचि कम होने लगती हैं।

सामाजिक कारण:-

- भारत के कुछ भागो में आज भी जॉति-पाति व धार्मिक भेदभाव को मान्यता प्राप्त हैं, ऐसी दशाओं में समाज व कक्षा में पढ़ने वाले सहपाठियों के द्वारा सहयोग न दिये जाने के कारण छात्र पढ़ाई से अलग हटने लगते हैं।

मनोवैज्ञानिक कारण:-

- समाज में व्याप्त बेरोजगारी की समस्या के कारण छात्र यह अनुभव करने लगता हैं कि जब उसे नौकरी मिलेगी ही नही तो वह पढ़ कर क्या करेगा। अत: उसकी रूचि पढ़ाई से कम होने लगती हैं।

Snow Kids

समस्या का अभिकथन

प्रस्तुत परियोजना में छात्राध्यापक ने **"वणिज्य के छात्रों में वणिज्य विषय के प्रति अरूचि के कारणो का अध्ययन"** किया हैं।

समस्या का परिसीमन

इस समस्या के कारणो का अध्ययन करने हेतु व इसका समाधान करने हेतु "डा० भीम राव अम्बेडकर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय", गॉधी नगर, कानपुर के कक्षा 9 के विद्यार्थियों को लिया गया हैं।

Snow Kids

समस्या के कारणो का विश्लेषण

क्रम संख्या	समस्या के सम्भावित कारण	साक्ष्य	तथ्य या अनुमान	अनुसंधानकर्ता का नियंत्रण	प्राथमिकता क्रम
1	छात्रों के पास सम्पूर्ण पाठ्य सामग्री का आभाव होना।	विद्यार्थियों से पूछताछ करके।	तथ्य	शिक्षा विभाग एवं राज्य केन्द्र सरकार के द्वारा नियंत्रण किया जा सकता हैं।	4
2	शिक्षाण प्रकिया के समय छात्रों में विषय के प्रति अरूचि तथा अन्य क्रियाओं में लिप्त होना।	कक्षा में प्रत्यक्ष निरीक्षाण के द्वारा।	तथ्य	नियत्रणं नही किया जा सकता।	5
3	छात्रों से प्रोजेक्ट कार्य एवं पाठ का विश्लेषण कार्य न करवाना।	छात्रों से पूछताछ करके।	तथ्य	शिक्षाकों की सहायता से नियंत्रित किया जा सकता हैं।	2
4	संरक्षाकों का बच्चों के प्रति लापरवाही बरतना।	संरक्षाकों से साक्षात्कार द्वारा ज्ञात किया।	तथ्य	नियंत्रित किया जा सकता हैं।	3
5	अध्यापकों द्वारा कक्षा में आंकिक प्रश्नो को सही ढ़ग से न समझाना।	कक्षा निरीक्षाण के द्वारा व छात्रों से पूछताछ करके।	तथ्य	शिक्षाकों की सहायता से नियंत्रित किया जा सकता हैं।	1

Snow Kids

क्रियात्मक परिकल्पनाओं का निर्माण

समस्या के कारणों के विश्लेषण के आधार पर क्रियात्मक अनुसंधान की परिकल्पनाओं का निर्माण किया जाता हैं। इसमें परिकल्पनाओं का आधार वे कारण होते हैं जिन पर अनुसंधानकर्ता का नियंत्रण होता हैं। अतः अनुसंधानकर्ता ने यहाँ पर दो परिकल्पनाये बनायी हैं:-

प्रथम क्रियात्मक परिकल्पना

विद्यालय के उन समस्त छात्रों को जो वणिज्य विषय में अरूचि रखते हैं, समझाकर तथा उनके अभिभावकों एवं अध्यापको के द्वारा उनकी समस्याओं का निराकरण करके विद्यालय के छात्रों में वणिज्य विषय के प्रति रूचि को उत्पन्न किया जा सकता हैं।

द्वितीय क्रियात्मक परिकल्पना

उन सार्थक उपायों को लागू करके जो शिक्षक तथा विद्यालय प्रशासन के द्वारा बनायें गये हैं, वणिज्य विषय में अरूचि रखने वाले छात्रों में अनुशासन पूर्वक अध्ययन करने की प्रवृत्ति का विकास किया जा सकता हैं।

Snow Kids

उपकरणों का चयन

समस्या के अध्ययन हेतु बनाई गयी परिकल्पना के परिक्षण के लिये अनुसंधानकर्ता ने कई तथ्य एकत्रित किये जिसके लिये उसने निम्न उपकरणों का चयन किया:-

- प्रेक्षण/निरीक्षण
- साक्षात्कार
- प्रतिपृच्छा
- सूचना

Snow Kids

प्रथम क्रियात्मक परिकल्पना के परिक्षण हेतु कार्य विधि

क्रम संख्या	किया गया कार्य	कार्य विधि	प्रयुक्त उपकरण	समय-अवधि
1	छात्राध्यापक ने वणिज्य विषय में अरूचि के कारणों का पता लगाया	छात्रों से पूछताछ करके तथा छात्रों की गतिविधियों को गुप्त रुप से देखकर।	प्रतिपृच्छा	7 दिन
2	छात्राध्यापक ने कक्षा में छात्रों से आंकिक अशुद्धियां होने के कारणों का पता लगाया	छात्रों से पूछताछ करके	प्रतिपृच्छा	4 दिन
3	छात्राध्यापक द्वारा प्रधानाचार्य की अनुमति से सभी छात्रों के अभिभावकों को विचार-विमर्श के लिये बुलाया गया।	अध्यापक व प्रधानाचार्य की सहमति से सभी छात्रों की डायरी में सूचना लिखकर।	अभिभावको को सूचना	1 दिन
4	अभिभावकों से विचार-विमर्श के समय छात्राध्यापक द्वारा अभिभावकों को छात्रों में वणिज्य विषय के प्रति उत्पन्न अरूचि के सम्पूर्ण कारण बताये गये।	उन कारणों की जानकारी दी गयी जिससे छात्र वणिज्य विषय में अरूचि लेते हैं, शिक्षण प्रक्रिया के दौरान अन्य क्रियाओं में लिप्त हो जाते हैं या पलायन कर जाते हैं तथा उन तथ्यों पर अमल करने की सलाह दी गयी जिनसे छात्र वणिज्य विषय में रूचि लेने लगें।	छात्रों के अभिभावकों से विचार-विमर्श करके	2 दिन

Snow Kids

प्रथम क्रियात्मक परिकल्पना के ऑकड़ो का विश्लेषण

छात्राध्यापक ने प्रथम क्रियात्मक परिकल्पना परिक्षण हेतु 14 दिनों तक कार्य किया इसके अवलोकन के पश्चात् उसने पाया कि छात्रों के अभिभावको के प्रयास से छात्रों में वणिज्य विषय के प्रति कुछ रूचि उत्पन्न हुई हैं किन्तु वे कक्षा में पूर्ण रूप से अनुशासित नही हैं, और उनमें अभी भी उतनी रूचि उत्पन्न नही हुई हैं जो संतोषजनक हो। अतः छात्राध्यापक को 14 दिनो तक कार्योपरान्त संतोषजनक सफलता नही मिली। तत्पश्चात् छात्राध्यापक ने द्वितीय परिकल्पना के परिक्षण हेतु कार्य किया, जो अग्रतालिका में विस्तृत रूप से दिया गया हैं।

Snow Kids

द्वितीय क्रियात्मक परिकल्पना के परिक्षण हेतु कार्य विधि

क्रम संख्या	किया गया कार्य	कार्य विधि	प्रयुक्त उपकरण	समय
1	छात्राध्यापक ने कक्षा में छात्रों को वणिज्य विषय में रूचि न लेकर पढ़ने से होने वाली हानियॉं बताकर उन्हें अनुशासनपूर्वक नियमित रूप से पढ़ने की प्रेरणा दी।	विद्यालय से पलायन तथा वणिज्य विषय में अरूचि से होने वाली हानियॉं बताकर तथा वर्तमान समय में वणिज्य शिक्षा की आवश्यकता का वर्णन करके	सुझाव	4 दिन
2	छात्राध्यापक व अध्यापकों के मध्य उचित शिक्षण विधियों व प्रविधियो के प्रयोग व कुशल ढंग से पढ़ाने के तरीको की चर्चा की गयी।	अध्यापकों के मध्य परिचर्चा के माध्यम से महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।	साक्षात्कार	4 दिन
3	छात्राध्यापक के सुझाव पर विद्यालय के प्रशासन को चुस्त बनाकर लागू किया गया।	प्रधानाचार्य व प्रबन्धक के मध्य बैठक में विद्यालय के प्रशासन को चुस्त बनाने की कार्यवाही की गयी।	प्रधानाचार्य व प्रबन्धक की सहायता	2 दिन
4	छात्रों की विभिन्न प्रवृत्तियों की तथा कक्षा में अनुशासनपूर्वक अध्ययन करने की जानकारी ली गयी और शिक्षण कार्य किया गया।	विद्यालय में शिक्षण अवधि में छात्रों के क्रियाकलापों की जॉंच की गयी तथा पढ़ाये गये पाठ से सम्बन्धित प्रश्नोत्तर कार्य किया गया।	प्रेक्षण/निरीक्षण	6 दिन

Snow Kids

द्वितीय क्रियात्मक परिकल्पना के ऑकड़ो का विश्लेषण

छात्राध्यापक ने द्वितीय क्रियात्मक परिकल्पना के परीक्षण हेतु 16 दिनों तक कार्य किया और छात्राध्यापक ने देखा कि विद्यार्थियों में गुणात्मक सुधार हुये हैं। इस प्रकार यह पाया गया कि अभिभावकों, शिक्षकों व प्रधानाध्यापक के द्वारा परियोजना के अनुसार कार्य करने पर छात्रों में वणिज्य विषय के में अपेक्षापूर्वक रूचि उत्पन्न हो गयी हैं। जो छात्राध्यापक के लिये संतोषजनक परिणाम हैं। अतः छात्राध्यापक को अपने निरीक्षण में क्रिया-कलापों, साक्षात्कार व शिक्षण के द्वारा पता चला कि छात्रों में वणिज्य विषय के प्रति अध्ययन में जो अरूचि थी वह समाप्त होकर अपेक्षापूर्वक रूचि में बदल गयी हैं।

Snow Kids

परिणाम:-

छात्राध्यापक के द्वारा विद्यालय के छात्रों में वणिज्य विषय के शिक्षण में अरूचि को रूचि में बदलने के लिये लगभग 30 दिनों तक दो क्रियात्मक परिकल्पनाओं के अनुरूप कार्य किया गया। परिणामस्वरूप यह देखा गया कि समस्या के अध्ययन में सम्मिलित सभी 23 विद्यार्थियों में वणिज्य शिक्षण के प्रति अरूचि समाप्त हो गयी हैं और सभी 23 विद्यार्थी विद्यालय में अनुशासनपूर्वक अध्ययन करने लगे हैं।

परियोजना का मूल्यांकन:-

छात्राध्यापक ने लगभग 30 दिनों तक इस परियोजना पर कार्य किया तथा किये गये कार्य का अवलोकन करने के पश्चात् विद्यार्थियों एवं अन्य शिक्षको से साक्षात्कार के माध्यम से आँकड़े एकत्र किये। एकत्रित आँकड़ों का अवलोकन करने के पश्चात् छात्राध्यापक ने पाया कि परियोजना के क्रियान्वयन से कक्षा 9 के वणिज्य शिक्षण में रूचि न लेने वाले विद्यार्थियों के कार्यो में काफी सुधार आया हैं। अब वे नियमित रूप से विद्यालय में आकर कक्षा में रूचि पूर्वक अध्ययन कार्य करने लगे हैं। अत: छात्राध्यापक द्वारा बनाई गयी परियोजना सफल हुई और परियोजना की सफलता से विद्यार्थियों, अध्यापकों तथा विद्यालय सभी को लाभ हुआ।

निष्कर्ष:-

परियोजना के उपरोक्त मूल्यांकन के आधार पर निष्कर्ष के रूप में यह कहा जा सकता हैं कि विद्यार्थियों को उचित निर्देश एवं परामर्श देकर और उनके कार्यो का निरीक्षण करके एवं उनसे स्वयं कार्य करवाकर सामने आने वाली समस्याओं का समाधान किया जा सकता हैं। अत: अध्यापकों को शिक्षण कार्य के समय अपने क्रियाकलापों में सुधार करके तथा छात्रों को उचित निर्देश के द्वारा उनका मार्गदर्शन करना चाहियें।

Snow Kids

सुझाव

छात्राध्यापक के द्वारा परियोजना के क्रियान्वयन के पश्चात् निकाले गये निष्कर्षो के आधार पर शिक्षाकों, प्रधानाचार्य तथा शिक्षा व्यवस्था से जुड़े सभी व्यक्तियों को निम्नलिखित सुझाव दिये जा सकते हैं:-

- शिक्षाकों को कक्षा में विषय और पाठ के प्रति रोचकता उत्पन्न करनी चाहियें।
- विद्यार्थियों को समय-समय पर नैतिकता व अच्छे चरित्र वाले व्यक्तियों का उदाहरण देना चाहिये।
- शिक्षाको तथा प्रधानाचार्य को विद्यार्थियों की आपराधिक प्रवृत्ति से सम्बन्धित वस्तविक समस्या पर अध्ययन करना चाहिये ताकि विद्यार्थियों में गुणात्मक सुधार हो सके।
- शिक्षाकों को ऐसे साधनो का उपयोग कक्षा में करना चाहिये जो पाठ या विषय से सम्बन्धित हों और उनके माध्यम से रोचकता को बनाये रखने का प्रयास करना चाहिये।
- प्रधानाचार्य व प्रबन्धक को अपने विद्यालय में समुचित शासन व्यवस्था लागू करनी चाहिये तथा उल्लंघन करने पर उचित दण्ड देना चाहिये।
- शिक्षाको को आपराधिक प्रवृत्ति वाले छात्रों को पाठ्य सहगामी क्रियाओं में भाग लेने के लिये प्रेरित करना चाहिये।
- शिक्षाकों को ऐसे साधनो का उपयोग कक्षा में करना चाहिये जिसके द्वारा आकिंक प्रश्नो को उचित प्रकार से कक्षा में स्पष्ट किया जा सके।

Snow Kids

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- सिंह, डा० कर्ण, (2006) वाणिज्य शिक्षण, गोविन्द प्रकाशन, लखीमपुर खीरी।
- सिंह, डा० रामपाल, (2004) वाणिज्य शिक्षण, विनोद प्रस्तक मंदिर, आगरा।
- शर्मा, ए० आर०, (2003) शिक्षा अनुसंधान, लाल बुक डिपों, मेरठ।
- **Singh, R. P.,** (2004) **Teaching of Commerce, Surya Publication, Merat.**

Snow Kids

हलीम मुस्लिम स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कानपुर

सत्र : 2010-2011